



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 177]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 17, 2004/श्रावण 26, 1926

No. 177]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 17, 2004/SRAVANA 26, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2004

जांच की शुरुआत

विषय: यूरोपीय संघ (जर्मनी को छोड़कर), मेक्सिको एवं ब्राजील से एक्रिलोनाइट्राइल ब्यूटाडीन रबड़ (एन बी आर) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच प्रारंभ करना।

## 1. जांच की शुरुआत

फा. सं. 14/32/डीजीएडी/2003.— जबकि मै0 अपार इंडस्ट्रीज लि0 (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है), ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें यूरोपीय संघ (जर्मनी को छोड़कर), मेक्सिको एवं ब्राजील (जिन्हें इसमें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित एक्रिलोनाइट्राइल ब्यूटाडीन रबड़ (एन बी आर) (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच करने का अनुरोध किया गया है।

और जबकि इस प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध क्षेत्रों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य उपस्थित हैं, प्राधिकारी द्वारा कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की मात्रा, जिसे

यदि लगाया गया तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और उसे परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति की जांच प्रारंभ की जाती है।

## 2. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद एक्रिलोनाइट्राइल ब्यूटाडीन रबड़ है। एक्रिलोनाइट्राइल ब्यूटाडीन रबड़ एक कृत्रिम रबड़ है और बाजार शब्दावली में इसे प्रायः नाइट्राइल रबड़ या एन बी आर के नाम से जाना जाता है। एन बी आर का प्रयोग प्राथमिक रूप से वहां किया जाता है जहां तेल प्रतिरोध, अपघर्षण प्रतिरोध तथा ऊष्मा प्रतिरोध होता है। एन बी आर का प्रयोग रक्षा, ऑटोमोबाइल, फुटवियर, वस्त्रों, रक्षा, ऑटोमोबाइल, फुटवियर, प्रिटरों, तेल क्षेत्र उत्पाद उद्योगों आदि में किया जाता है।

एन बी आर विभिन्न ग्रेडों का हो सकता है और उसकी आपूर्ति विभिन्न रूपों में की जा सकती है। रूप के अनुसार एन बी आर को सामान्य एन बी आर (बेल रूप में); पाउडर एन बी आर (पाउडर रूप में); कार्बोक्सिलेटेड एन बी आर (अर्थात् किसी तीसरे मोनोमर के साथ) में वर्गीकृत किया जा सकता है। सामान्य एन बी आर एन बी आर का सबसे आम और सर्वाधिक प्रयोग होने वाला रूप है। एक्रिलोनाइट्राइल तत्व तथा मूनी लसीलेपन के आधार पर सामान्य एन बी आर को आगे तीन किस्मों अर्थात् निम्न नाइट्राइल, मध्यम नाइट्राइल तथा उच्च नाइट्राइल एन बी आर में बांटा जा सकता है।

इस जांच में मात्र बेल रूप वाले एन बी आर के सभी ग्रेड शामिल हैं। अतः संबद्ध देशों से निर्यातित एन बी आर के अन्य रूपों को विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है।

एक्रिलोनाइट्राइल ब्यूटाडीन रबड़ (एन बी आर), को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 40 के अंतर्गत रबड़ तथा उसकी मदों की श्रेणी में और चाय अंकीय स्तर पर उप-शीर्ष सं. 40.02 तथा छह अंकीय स्तर पर सं० 4002.59 के अंतर्गत सिंथेटिक रबड़ की श्रेणी के अंतर्गत आई टी सी एच एस वर्गीकरण की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। यद्यपि उपरोक्त शीर्ष एन बी आर के लिए समर्पित है तथापि विभिन्न किस्मों एवं ग्रेडों के शामिल होने के कारण आवेदक ने आरोप लगाया है कि चूंकि आयातक एन बी आर का वर्णन कई बार सिर्फ सिंथेटिक रबड़ के रूप में करते हैं अतः यह संभव है कि आयातकों को अन्य सीमाशुल्क शीर्षों के अंतर्गत रिपोर्ट किया गया हो। अतः, सीमाशुल्क एवं आई टी सी एच एस वर्गीकरण मात्र सांकेतिक हैं और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

## 3. घरेलू उद्योग एवं उसकी स्थिति:

याचिका मै0 अपार इंडस्ट्रीज लि0, मुम्बई द्वारा दायर की गयी है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। अतः याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु के संपूर्ण उत्पादन के लिए जिम्मेदार है और भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर वह घरेलू उद्योग है।

## 4. समान वस्तु:

यह नोट किया गया है कि समान आम कच्ची सामग्री से एन बी आर के विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन किया जाता है जिसमें समान बुनियादी उत्पादन प्रौद्योगिकी का प्रयोग तथा समान उत्पादन

प्रक्रिया का पालन किया जाता है। एन बी आर की विभिन्न किस्मों का प्रयोग समान आम प्रयोजन अर्थात् पेट्रोलियम स्साधनों को प्रतिरोध क्षमता प्रदान करने के लिए होता है।

आवेदक ने यह भी उल्लेख किया है कि वे वर्तमान में संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे सभी ग्रेडों के समरूप/तुलनात्मक ग्रेडों का उत्पादन करते हैं। भारतीय उद्योग के पास उन सभी ग्रेडों के समरूप ग्रेडों के उत्पादन की क्षमता है जिनका उत्पादन संबद्ध देशों द्वारा किया जा रहा है, हालाँकि वर्तमान में उनमें से कुछ का भारत को निर्यात नहीं किया जा रहा है।

अतः यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों और संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित उत्पादों में कोई अंतर नहीं है। प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा तथा व्यापारियों द्वारा अन्य उद्योगों को आपूर्ति के लिए उत्पादों का सीधा आयात किया जा रहा है। उपभोक्ताओं द्वारा घरेलू उद्योग एवं उसके समरूप आयातित उत्पादों का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है। सभी आवश्यक गुणावगुणों के रूप में समान होने वाले घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित उत्पादों को नियमावली में शब्द के अर्थ के भीतर समान वस्तु माना जाता है।

#### 5. सामान्य मूल्य

कारखानागत कीमत निकालने के लिए स्वीकार्य समायोजनों की अनुमति देने के बाद संबद्ध देश में वस्तु की बिक्री कीमत एवं उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का कारखाना द्वार सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया गया है।

#### 6. निर्यात कीमत

डी जी सी आई एंड एस तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश के विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यात के देश/क्षेत्र में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभार एवं कमीशन के लिए समायोजनों का दावा किया गया है।

#### 7. पाटन मार्जिन

इस बात के साक्ष्य मौजूद हैं कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमतों से कहीं अधिक हैं जो प्रथम दृष्ट्या इस बात का सूचक है कि संबद्ध देश/क्षेत्र के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का पाटन हो रहा है।

#### 8- क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के कारण हुई क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंडों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। सापेक्ष रूप से तथा उत्पाद की मांग की तुलना में आयातों की मात्रा में वृद्धि, बाजार

हिरसे में कमी, कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास, निवेश पर कम आय, लाभप्रदता तथा संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में नकद हानि जैसे मानदंडों से समग्र एवं संचयी रूप से प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

## 10. प्रक्रिया

(क) शामिल देश/क्षेत्र: वर्तमान जांच में शामिल देश/क्षेत्र यूरोपीय संघ (जर्मनी को छोड़कर), मेक्सिको तथा ब्राजील हैं।

(ख) जांच अवधि (पी ओ आई): वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1.4.2003 से 31.3.2004 तक है। तथापि, क्षति जांच अवधि में 2000-01 से 2002-03 तक की अवधि तथा जांच अवधि शामिल होंगे।

(ग) सूचना प्रस्तुत करना: संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निर्यातकों, भारत में उनके दूतावासों/प्रतिनिधियों के जरिए उनकी सरकारों, भारत में इस जांच से जुड़े ज्ञात आयातकों एवं प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग से निर्धारित रूप एवं ढंग से संगत सूचना देने तथा अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य विभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराने का अनुरोध किया गया है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा भी नीचे निर्धारित की गयी समय-सीमा के भीतर निर्धारित रूप एवं ढंग से जांच के संगत सूचना प्रस्तुत की जा सकती है।

## (घ) समय-सीमा:

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उनको अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

## (ड.) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूप दिए गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना देने से मना करती है या उचित समय के लिए अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 17th August, 2004

**INITIATION**

**Subject :—Initiation of anti-dumping investigation involving import of Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) from the European Union (Excluding Germany), Mexico and Brazil.**

**1. Initiation**

**F. No. 14/32/DGAD/2003.— WHEREAS** M/s Apar Industries Ltd. (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Acrylonitrile Butadiene Rubber or NBR (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the European Union (excluding Germany), Brazil and Mexico (herein after referred to as subject countries/territories) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, this Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject countries/territories, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, this Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**2. Product under consideration**

The product under consideration in the present petition is Acrylonitrile Butadiene Rubber. Acrylonitrile Butadiene Rubber is a synthetic rubber and is popularly known as Nitrile Rubber or NBR in the market parlance. NBR is primarily used where oil resistance, abrasion resistance and heat resistance applications are involved. NBR is widely used in Defense, Automobile, Footwear, Fabrics, Printers, Oil field products industries etc.

NBR can be of various grades and can be supplied in various forms. In terms of form, NBR can be categorized as Normal NBR, (in Bale form); Powder NBR, (in powder form); Carboxylated NBR (i.e. with a third monomer). Normal NBR is the most common form of NBR and is widely used. Depending upon acrylonitrile content and mooney viscosity, Normal NBR may be further divided into three types i.e. Low Nitrile, Medium Nitrile, High Nitrile NBR.

This investigation covers all grades of NBR in bale form only. Other forms of NBR exported from the subject countries are therefore, not covered under the product under consideration.

Acrylonitrile butadiene rubber (NBR) is classified in the category of rubber and articles thereof under chapter 40 of the Customs Tariff Act, and ITC HS Classification under the category of synthetic rubber under sub-heading no. 40.02 at four-digit level and under no. 4002.59 at six-digit level. Though the above is the dedicated head for NBR because of various types and grades involved the applicant has alleged that it is possible that imports have been reported under other custom heads, as importers sometime describe NBR merely as synthetic rubber. Therefore, Customs and ITC HS classifications are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

### **3. Domestic industry and Standing**

The application has been filed by M/s Apar Industries Ltd., Mumbai. The applicant is the sole producer of subject goods in India. The petitioner, therefore, accounts for complete production of subject goods in India and constitute domestic industry within the meaning of the Indian Antidumping Rules

### **4. Like article**

It is noted that various grades of NBR are produced from the same general raw materials, employs the same basic production technology and follow through the same production process. Various types of NBR are employed for the same general purpose, i.e., to provide resistance to petroleum chemicals.

The applicant has also stated that they produce equivalent/comparable of all the grades being imported at present from the subject countries. The Indian industry has capacity and capability to produce equivalents of all those grades, which are being produced by the producers in the subject countries, even if some of them are not being exported to India at present.

It therefore, appears that there is no difference in the products produced by the domestic industry and imported from subject Countries/territories. The products are being directly imported by the user industries and also by traders for supply to other industries. The consumers are using the domestic and corresponding import

products interchangeably. The products produced by the domestic industry and imported from subject Countries/territories being identical in all essential characteristics are treated as like articles within the meaning of the term as per the Rules.

## **5. Normal value**

The ex-works normal value of the subject good in the subject countries have been estimated on the basis of the data available on selling prices, as well as cost of production of the goods in the subject countries, after allowing admissible adjustments to arrive at ex-works prices.

## **7. Export price**

The export price of the product under consideration from the subject countries/territories has been estimated on the basis of data collected from DGCI&S and other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the Countries/territories of export, port handling and port charges have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

## **6. Dumping margin**

There is evidence that Normal Values of the subject goods in the subject countries/territories are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject countries/territories.

## **9. Injury and causal link**

The applicant has furnished information on various parameters relating to injury on account of the product under consideration. Parameters, such as increase in volume of imports both in absolute terms and in relation to the demand of the products, loss in market share, price under-cutting, price under-selling, Price depression, low return on investments, profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods, prima-facie indicate, collectively and cumulatively, that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

## **10. Procedure**

- a) **Countries/territories involved:** The countries/territories involved in the present investigation are the European Union (Except Germany), Mexico and Brazil.

- b) **Period of investigation (POI):** The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.4.2003 to 31.3.2004**. The injury investigation period will however, cover the period 2000-01 to 2002-03 and the POI.
- c) **Submission of information :** The exporters in the subject Countries/territories, their governments through their embassies/ representatives in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

**The Designated Authority**  
**Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties**  
**Department of Commerce**  
**Udyog Bhavan**  
**New Delhi-110011.**

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**d) Time limit**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than **forty (40) days** from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within **(40) forty days** from the date of the letter addressed to them.

**e) Inspection of public file**

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority